Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 अप्रैल, 2022

कुमार गंधर्व

08 अप्रैल, 2022 को शास्त्रीय संगीत के जाने-माने गायक पंडित कुमार गंधर्व की 98वीं जयंती मनाई गई। वे अपनी विशेष गायन शैली के लिये मशहूर थे। उन्होंने किसी घराने की परंपरा से जुड़ने से इनकार कर दिया था। उनका असली नाम शिवपुत्र सिद्धारमैया कोमकालीमठ था। उन्हें 'कुमार गंधर्व' के नाम से जाना जाता है। उनका जन्म कर्नाटक में बेलगाम ज़िले के पास सुलेभवी में कन्नड भाषी लिंगायत परिवार में 8 अप्रैल, 1924 को हुआ था। पाँच वर्ष की उम्र में ही संगीत के प्रति उनकी रुचि स्पष्ट हो गई। उन्होंने दस वर्ष की आयु में पहली बार मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। वर्ष 1952 में तपेदिक (TB) से रिकवरी के बाद उन्होंने वर्ष 1953 में अपना पहला संगीत कार्यक्रम किया। हालाँकि तपेदिक का उनके शरीर पर काफी प्रभाव पड़ा था जिसकी वजह से उन्हें अपनी गायन की पारंपरिक पद्धति को बदलना पड़ा और रागों के साथ नए प्रयोग करने पड़े। इन प्रयोगों के कारण उन्हें प्रसिद्धि एवं आलोचना दोनों का सामना करना पड़ा। पारंपरिक हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के साथ प्रयोग करते हुए उन्होंने कई नए रागों की रचना की, जिन्हें सामूहिक रूप से उन्होंने 'धुन उगाम राग' नाम दिया। उन्हें वर्ष 1977 में पद्मभूषण और वर्ष 1990 में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 12 जनवरी, 1992 को देवास (मध्य प्रदेश) में पंडित कुमार गंधर्व की मृत्यु हो गई।

विकास और शांति हेतु अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस

विश्व भर में प्रतिवर्ष 06 अप्रैल को 'विकास एवं शांति हेतु अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस' का आयोजन किया जाता है। यह दिवस दुनिया भर के लोगों और समुदायों के जीवन में खेल एवं शारीरिक गतिविधियों के सकारात्मक प्रभाव को पहचानने के अवसर के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 6 अप्रैल को इस दिवस के रूप में चिह्नित करने का फैसला किया है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1896 में पहली बार आधुनिक ओलंपिक आयोजित किये गए थे। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2013 में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया था। गौरतलब है कि खेल एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है, जो समाज एवं समूह के भीतर संबंधों को मज़बूत करती है। यह लोगों के बीच एकजुटता एवं आपसी सम्मान स्थापित करते हुए सतत् विकास एवं शांति को भी बढ़ावा देता है। खेल किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक अभिन्न अंग होता है। व्यक्तियों में शक्ति एवं शारीरिक फिटनेस के विकास पर इसके सकारात्मक प्रभावों के अलावा इसे एक ऐसे उपकरण के रूप में भी देखा जाता है, जो मानवाधिकारों को मज़बूत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

शौर्य दिवस

प्रत्येक वर्ष 9 अप्रैल को देश में केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल (Central Reserve Police Force-CRPF) का शौर्य दिवस मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि 9 अप्रैल, 1965 को CRPF की एक छोटी टुकड़ी ने पाकिस्तानी ब्रिगेड के आक्रमण को विफल कर दिया था, इस दौरान कच्छ (गुजरात) के रण में CRPF ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम करते हुए 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था, वहीं इस लड़ाई में CRPF के 6 जवान शहीद हुए थे। CRPF के जवानों की बहादुरी को याद करने के लिये ही 9 अप्रैल के दिन को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल (CRPF) भारत का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। CRPF की स्थापना क्राउन रिप्रेज़ेंटेटिव्स पुलिस (Crown Representatives Police) के रूप में 27 जुलाई, 1939 को की गई थी। 28 दिसंबर, 1949 को CRPF अधिनियम के माध्यम से केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल का निर्माण किया गया था। केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल के प्रमुख कार्य क्षेत्र हैं- भीड़ पर नियंत्रण, दंगा नियंत्रण, उग्रवाद का विरोध, विद्रोह को रोकने के उपाय, वामपंथी उग्रवाद से निपटना, युद्ध की स्थिति में दुश्मन से लड़ना, सरकार की नीति के अनुसार संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भाग लेना आदि।

केतनजी ब्राउन जैक्सन

अमेरिकी सीनेट ने हाल ही में अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के तौर पर 'केतनजी ब्राउन जैक्सन' की नियुक्ति की पुष्टि की है, इसके साथ ही वे अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत महिला बन गई हैं। ज्ञात हो कि 'केतनजी ब्राउन जैक्सन' ने 'हार्वर्ड विश्वविद्यालय' से लॉ की शिक्षा प्राप्त की है और साथ ही उन्होंने एक सार्वजनिक डिफेंडेंट के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने एक निजी कानूनी फर्म में काम किया तथा उन्हें 'अमेरिकी सज़ा आयोग' के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। थरगूड मार्शल और क्लेरेंस थॉमस के बाद सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त होने वाली वह तीसरी अश्वेत हैं एवं इस पद पर नियुक्त होने वाली छठी महिला हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-09-april-2022